

**Report of the
Three days Training on
“Fish Health Management”
Under SCSP program
Organized by:
ICAR-CIFE, Mumbai
In collaboration with
KVK, Mungeli
at Sakeri, Mungeli District, Chhattisgarh
on 02.03.2025-04.03.2025**

A three days training program on “Fish Health Management” under SCSP program was conducted by ICAR-CIFE Mumbai in collaboration with KVK, Mungeli, Chhattisgarh from 27/02/2025 to 01/03/2025 at Sakeri, Mungeli District, Chhattisgarh. The training program were conducted under the guidance of Dr. Ravishankar C.N., Director and Vice-Chancellor, Dr. N.P. Sahu, Joint Director, Dr. Megha Kadam Bedekar, Head of the AEHM Division, and Dr. Sukham Munilkumar, Nodal Officer SCSP of ICAR-CIFE, Mumbai. Thirty farmers (Male: 15 and Female: 15) from the different parts of Mungeli have participated in the training program. Dr. Arun Sharma, Senior Scientist and coordinator welcomed all the dignitaries and the participants. Mr. Shobha Manikpuri, Sarpanch, Sakeri and the chief guest of the programme emphasized the importance aquaculture and role of fish health management in fish farming and appreciated the effort of ICAR-CIFE, Mumbai for conducting such programme. During the program, two training manuals on “Fish diseases and their Management” (English and Hindi) were released. The training programme were comprises of class lecture, practical demonstration and filed visit. On the second day of the training, the trainees were taken for a farm visit to a fish farm Of 10 hac area at Arjuna, Chhattisgarh where they gained first-hand experience in aquaculture management and fish health management practices. The training was concluded with an interactive discussion, addressing farmer queries. The farmers expressed keen interest in follow-up training programs and continued technical guidance for better fish health management. 20,000 advanced fish fingerlings comprising of Catla: 8000, Rohu: 6000 and Mrigal: 6000 nos. were distributed among the fish farmers. The programme was coordinated by Dr. Arun Sharma, Dr. Saloni Shivam, and Dr. Pradeep Kumar Singh. The local newspapers covered the training programme.



बिलासपुर आंचलिक 04-03-2025

प्रशिक्षण: 30 किसानों को मत्स्य रोग प्रबंधन की जानकारी दी गई



ग्राम सकेरी में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित किसान और अन्य।

महानगर, मुंगेली

केंद्रीय मत्स्यकोष शिक्षा संस्थान, मुम्बई और कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति उपयोग के तहत ग्राम सकेरी में तीन दिवसीय मत्स्य रोग प्रबंधन प्रशिक्षण शुरू हुआ। पहले दिन वैज्ञानिक डॉ. अरुण शर्मा ने कुक्करो और मछिल समूहों को मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सलोनी शिवम ने मछलियों में

परजीवियों से होने वाले रोगों और उनके निर्वहण पर चर्चा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक और कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुख डॉ. आर. एल. शर्मा ने छत्तीसगढ़ में मत्स्य विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। मत्स्य विज्ञान विरोध डॉ. प्रदीप सिंह ने तालाबों के प्रबंधन की जानकारी दी। प्रशिक्षण में 30 कुक्क और महिला समूहों ने भाग लिया। उन्होंने मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सरपंच सहित कई नागरिक मौजूद रहे।

सकेरी में मछली रोग प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू



सकेरी के प्रशिक्षण सत्र में प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक डा. अरुण शर्मा, प्रदीप सिंह, नईदुनिया

नईदुनिया न्यूज, मुंगेली : केंद्रीय मत्स्यकोष शिक्षा संस्थान, मुम्बई द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति उपयोग के तहत ग्राम सकेरी में तीन दिवसीय मत्स्य रोग प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम सकेरी के नवनिर्वाह सरपंच शोभा मानिकपुरी के हाथों से किया गया। उन्होंने मछलीपालन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के पहले दिन केंद्रीय मत्स्यकोष शिक्षा संस्थान, मुम्बई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अरुण शर्मा द्वारा मत्स्य स्वास्थ्य के प्रबंधन पर प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डा. सलोनी शिवम ने मछलियों में परजीवियों से होने वाले रोगों एवं उनके निर्वहण विषय पर चर्चा की। कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेली के मत्स्य विशेषज्ञ डा. प्रदीप सिंह द्वारा तालाबों के प्रबंधन पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 30 कुक्क एवं महिला समूहों ने भाग लिया और मत्स्य पालन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। ज्ञात हो कि इससे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फलदाय में दिया गया था। इसमें भी बढ़ी संख्या में लोगों ने मत्स्य स्वास्थ्य के प्रबंधन पर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

संज्ञक 04 Mar 2025 - Page 2

ग्राम सकेरी में मत्स्य रोग प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम



मुंगेली, 03 मार्च (संज्ञक) : कुक्क और महिला समूहों को मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीकों और रोग प्रबंधन के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से ग्राम सकेरी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय मत्स्यकोष शिक्षा संस्थान, मुम्बई और कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति उपयोग के तहत ग्राम सकेरी में तीन दिवसीय मत्स्य रोग प्रबंधन प्रशिक्षण शुरू हुआ। पहले दिन वैज्ञानिक डॉ. अरुण शर्मा ने कुक्करो और मछिल समूहों को मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सलोनी शिवम ने मछलियों में परजीवियों से होने वाले रोगों और उनके निर्वहण विषय पर चर्चा की। कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेली के मत्स्य विशेषज्ञ डा. प्रदीप सिंह द्वारा तालाबों के प्रबंधन पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 30 कुक्क एवं महिला समूहों ने भाग लिया और मत्स्य पालन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। ज्ञात हो कि इससे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फलदाय में दिया गया था। इसमें भी बढ़ी संख्या में लोगों ने मत्स्य स्वास्थ्य के प्रबंधन पर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

NECC
04.03.2025 और मुंगेली सरपंच
वर्ग 635 72 175
किता 5.50 87 200
किता 5.50 87 200
वर्ग 635 72 175
मुंगेली सरपंच मुंगेली 1000 रु.
CSFPA
पि 3 वर्ष का और 4.40

ग्राम सकेरी में मत्स्य रोग प्रबंधन पर 03 दिवसीय प्रशिक्षण की हुआ शुभारंभ



मुंगेली (संज्ञक) : केंद्रीय मत्स्यकोष शिक्षा संस्थान, मुम्बई और कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति उपयोग के तहत ग्राम सकेरी में तीन दिवसीय मत्स्य रोग प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम सकेरी के नवनिर्वाह सरपंच शोभा मानिकपुरी के हाथों से किया गया। उन्होंने मछलीपालन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के पहले दिन केंद्रीय मत्स्यकोष शिक्षा संस्थान, मुम्बई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अरुण शर्मा द्वारा मत्स्य स्वास्थ्य के प्रबंधन पर प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डा. सलोनी शिवम ने मछलियों में परजीवियों से होने वाले रोगों एवं उनके निर्वहण विषय पर चर्चा की। कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेली के मत्स्य विशेषज्ञ डा. प्रदीप सिंह द्वारा तालाबों के प्रबंधन पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 30 कुक्क एवं महिला समूहों ने भाग लिया और मत्स्य पालन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। ज्ञात हो कि इससे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फलदाय में दिया गया था। इसमें भी बढ़ी संख्या में लोगों ने मत्स्य स्वास्थ्य के प्रबंधन पर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

एससीएसपी कार्यक्रम के तहत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट

प्रशिक्षण कार्यक्रम : " मछली स्वास्थ्य प्रबंधन"

आयोजक: आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई , केवीके, मुंगेली, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित

स्थान: सकेरी, मुंगेली, छत्तीसगढ़

दिनांक: 02.03.2025-04.03:2025 (तीन दिवस)

दिनांक 02.03.2025-04.03:2025 को छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के सकेरी में SCSP कार्यक्रम के तहत "मछली स्वास्थ्य प्रबंधन" पर एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई, द्वारा केवीके, मुंगेली, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक और कुलपति, डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, डॉ. मेघा कदम बेडेकर, AEHM विभाग की प्रमुख, और डॉ. सुखम मुनीलकुमार, ICAR-CIFE, मुंबई के SCSP नोडल अधिकारी की दिशा-निर्देश में आयोजित किया गया था। मुंगेली जिले के तीस किसान (पुरुष: 15 और महिला: 15) इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। डॉ. अरुण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक और समन्वयक ने सभी सम्मानित मेहमानों और प्रतिभागियों का स्वागत किया था। श्री शोभा माणिकपुरी, सरपंच, सकेरी और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने जलकृषि के महत्व और मछली पालन में मछली स्वास्थ्य प्रबंधन की भूमिका पर जोर दिया और मुंबई के आईसीएआर-सीआईएफई के ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के प्रयासों की सराहना की थी। कार्यक्रम के दौरान "मछली बीमारियाँ और उनका प्रबंधन" (अंग्रेजी और हिंदी) पर दो प्रशिक्षण मैन्युअल का विमोचन किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा व्याख्यान, व्यावहारिक प्रदर्शन और एक्सपोजर विजिट शामिल थी। प्रशिक्षण के दूसरे दिन, प्रशिक्षुओं को छत्तीसगढ़ के अर्जुना में 10 हेक्टेयर क्षेत्र के एक मछली फार्म के दौरे पर ले जाया गया, जहां उन्हें एकाकल्चर प्रबंधन और मछली स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ था। प्रशिक्षण का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें किसानों के प्रश्नों का समाधान किया गया था। किसानों ने अनुवर्ती प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बेहतर मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन में गहरी रुचि व्यक्त की थी। 20,000 उन्नत मछली के बीज, जिनमें कैतला: 8000, रोहू: 6000 और मृगल: 6000 नंबर शामिल थे, मछली किसानों में वितरित किए गए थे। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. सैलोनी शिवम और डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने किया था।

